

(cum signo acc. = सम् v. स), gr. *á* vocum *se-mel, simul, sim-plex, á-πλcũs*. Cum कृत् e कर्त् cf. lith. subst. *kartas vicis, e. c. wienañ kartañ* (acc.) *semel, dù kartù bis* (acc. du.), *tris kartus* (acc. pl.) *ter, v. gr. comp. 325. 308. annot. et librum meum Über die Verwandtschaft der malayisch-polynesischen Sprachen mit den indisch-europäischen p.9.)*

सक्त v. सङ्ग, सञ्ज.

सक्ति f. (r. सञ्ज s. ति) i. q. सङ्ग.

सक्तिमत् (a praec. s. मत्) i. q. सङ्गिन्. HIT. 118.3.

सक्थि n. femur. AM.

सख m. in fine comp. (v. sq. et gr. 681.) amicus. UR. 2.3. 86.16.

सखा nom. vocis सखि (ut videtur, pro सखास्, a Them. सखै, unde alii casus fortes, vocativo sing. excepto, derivantur, v. gr. min. ed. 2. §. 168.)

सखि m. (anom. v. gr. min. ed. 2. §. 168.; ut videtur, a r. ख्या, correpto या in इ, praef. स pro सम्) amicus. IN. 3.6. *Etiā de feminis. BR. 1.25.*

सखी f. (a सख signo fem. ई) amica, socia. N. 1.10. MEGH. 76.86.92.101.

सखै v. सखा.

सग् 1. P. (संवरणे क. संवृत्तौ r.) tegere. (Cf. gr. ΣΑΓ, σάπτω, σάξω, σάγη, σάγμα. σεσαγμένος.)

सगोत्र (e स et गोत्र) propinquus, cognatus. MAN. 9.190.

सघ् 5. P. (हिंसे) ferire, occidere. RIGV. 31.3.: असघ्नोर् भा- र्म्, quod Ros. vertit «attulisti apparatus» Westerg. (s. r.) «occidisti hostem». (Fortasse सघ्नोमि cohaeret cum हन् (unde e. c. घ्नन्ति occidunt), ita ut स sit pro सम् et घ्नोमि pertineat ad cl. 8. Si vero असघ्नोस् attulisti significat, conferendum est cum सह् ferre.). Nancisci (?). RIGV. 57.4.: न त्वद् अन्यः ... गिरः सघत् «non sane alius praeter te cantilenas nanciscitur».

सङ्कठ angustus. AM.

सङ्कर m. (r. कृ praef. सम् s. अ) permixtio, colluvies, praesertim hominum ordinum (वर्णानाम्). BH. 1.41.

सङ्कल्प m. (r. कृप् fieri praef. सम् s. अ) 1) consilium, pro-

positum. N. 9.26. SA. 4.17. BH. 4.19. 6.2.4. 2) mens, animus. N. 24.50.

सङ्काश (r. काष् splendere praef. सम् s. अ) similis. H. 3. 9. A. 10.28.

सङ्कीर्ण v. कृ c. सम्.

सङ्कुल (r. कुल् implere, accumulare praef. सम् s. अ) 1) impletus, plenus. N. 12.111. 2) admixtus. N. 13.13.

सङ्केत m. (r. केत् praef. सम् s. अ) 1) constitutus congressus, conventus; conveniendi tempus dictum. UP. 44. v. sq. 2) cogitata signis expressa. Lass. 7.5.

सङ्केतक m. (a praec. s. क) id. sgnf. 1. UP. 35.37.

सङ्केच m. (r. कुच् praef. सम् s. अ) curvatio, flexio, contractio. HIT. 90.5.

सङ्कय m. (r. क्षि perire praef. सम् s. अ) occasus, interitus, ruina. N. 17.42.13.9.

सङ्क्षेप m. (r. क्षिप् conjicere praef. सम् s. अ) actio in brevius contrahendi, breviandi, decurtandi, amputandi, e. c. narrationem.

सङ्क्षेपतस् Adv. (a praec. s. तस्) breviter. SA. 2.20. A. 1. 13.

सङ्क्षेभ m. (r. क्षुम् agitare s. अ) agitatio, quassatio. IN. 5.9.

सङ्ख्य n. (ut videtur, a r. ख्या praef. सम् s. अ) pugna. AM. VIII. 2.73.

सङ्ख्या f. (r. ख्या praef. सम्) 1) cogitatio, deliberatio, consideratio. AM. 2) numerus. HIT. 115.4. in fine comp. BAH.

सङ्ख्यान् n. (r. ख्या dicere praef. सम् s. अन्) numeratio. N. 20.26.

सङ्ग m. 1) (r. सञ्ज s. अ) propensio, desiderium, cupiditas. IN. 4.3. BH. 2.47.48.62.14.6. 2) (r. गा praef. सम् s. अ) conventus, congressus. AM. III. 3.29.: मेलके सङ्ग- सङ्गमौ; H. 41.18.

सङ्गति f. (r. गम् ire praef. सम् s. ति, v. euph. r. 95.) congressus, conventus. Instr. सङ्गत्या fortuito (?). BR. 1.2.

सङ्गम m. (r. गम् ire praef. सम् s. अ) congressus, conventus. N. 1.31. SA. 5.46.

सङ्गमन n. (r. गम् praef. सम् s. अन्) congressus, conventus.